सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़

(पंजीयन क्रमांक २४६६७, दिनांक २७.११.१९९०,)

आयुर्वेदिक महाविद्यालय के पीछे, सरस्वती विहार, रायपुर- ४९२ ०१० (छ.ग.)

F.No. CIT/RPR/Tech/us-80G/2013-14, Dt. 04/12/13

web side: www.vidyabharticg.org, e-mail : vidyabharticg@gmail.com

दूरभाष क्र.
०७७१-२२६२७७०
०७७१-२२६२३९३

परिपत्र क्र.- २६ /२०२२-२३ **दिनांक-०१.०६.२०२२**

प्रति,

श्रीमान् व्यवस्थापक / प्राचार्य / प्रधानाचार्य
सरस्वती शिशु मंदिर छ.ग.

विषय - विद्यालयों की पूर्ण विद्यार्थी क्षमता संबंधी ।

बंधुवर,

छात्र प्रवेश अभियान के समय स्थानीय समिति , प्राचार्य , प्रधानाचार्य व सभी आचार्यो के द्वारा किये गए अथक प्रयत्न के परिणामस्वरूप सभी विद्यालयों में गत सत्र की तुलना में इस सत्र की छात्र संख्या में कुछ न कुछ वृद्धि हुई है यह हम सब के लिए आनंद का विषय है ।

छात्र संख्या की दृष्टि से हम विचार करें कि वास्तव में अपने विद्यालय की पूर्ण विद्यार्थी क्षमता कितनी है , और हमारे विद्यालय की वर्तमान छात्र संख्या कितनी है ।

आग्रह है कि विद्यालय की पूर्ण विद्यार्थी क्षमता को ध्यान में रखकर अभी से आगामी सत्र की योजना बनावें ।

पूर्ण विद्यार्थी क्षमता कैसे निकालें -

१. विद्या भारती के मानक के अनुसार शिशु , प्राथमिक , पूर्वमाध्यमिक , हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी में छात्र संख्या क्रमशः ३० , ३५ , ४० , ५० व ५० है ।
२. कक्षाशः वर्गो की संख्या कितनी है ।
३. विद्या भारती की मानक छात्र संख्या व वर्गो का गुणा करेंगे इससे कक्षाशः पूर्ण छात्र क्षमता प्राप्त होगी ।
४. सभी कक्षा के पूर्ण छात्र क्षमता का योग विद्यालय की पूर्ण विद्यार्थी क्षमता कहलायेगी ।

आप सभी से आग्रह है कि अपने विद्यालय की पूर्ण विद्यार्थी क्षमता निर्धारित प्रारूप में भरकर प्रांत कार्यालय एवं विभाग समन्वयकों को भेजने का कष्ट करें ।

विवेक सक्सेना
सचिव

प्रतिलिपि -

१. माननीय प्रांतीय अध्यक्ष , संगठन मंत्री , सह संगठन मंत्री सरस्वती शिक्षा संस्थान छ.ग.।
२. सभी विभाग समन्वयक सरस्वती शिक्षा संस्थान छ.ग.।
३. सभी जिला प्रतिनिधि सरस्वती शिक्षा संस्थान छ.ग. ।

विवेक सक्सेना
सचिव

पूर्ण विद्यार्थी क्षमता

प्रारूप

विद्यालय का नाम - ------------------------------

कक्षा स्तर	कक्षा	विद्याभारती के मानक के आधार पर अधिकतम छात्र संख्या (अ)	वर्ग संख्या (ब)	कुल विद्यार्थी क्षमता अxब = स	वर्तमान छात्र संख्या
शिशु	अरूण	३०			
	उदय	३०			
प्राथमिक	प्रथम	३५			
	द्वितीय	३५			
	तृतीय	३५			
	चतुर्थ	३५			
	पंचम्	३५			
पूर्वमाध्य.	षष्ठ	४०			
	सप्तम्	४०			
	अष्टम्	४०			
माध्यमिक	नवम्	५०			
	दशम्	५०			
उच्च.माध्य.	एकादश	५०			
	द्वादश	५०			
योग					

हस्ताक्षर
प्राचार्य / प्रधानाचार्य